

काबू पुं. (तुर्की.) वश, अधिकार, जोर, बल, कस।

मुहा. काबू में करना या काबू करना- अधिकार में आना; काबू चढ़ना या काबू पर चढ़ना-अधिकार में आना, दाँव पर चढ़ना; काबू पाना-अधिकार पाना, दाँव पाना।

काभीरू पुं. (तत्.) उल्लू।

काम- पुं. (तत्.) 1. इच्छा 2. महादेव 3. कामदेव

4. इंद्रियों की अपने अपने विषयों की ओर प्रवृत्ति (कामशास्त्र) 5. सहवास की इच्छा 6. चतुर्वर्ग या पुरुषार्थ में से एक 7. प्रद्युम्न 8. बलराम 9.

ईश्वर 10. प्रेम 11. वीर्य 12. एक प्रकार का

आम पुं. (तद्.) 1. वह जो किया जाए, कर्म,

कार्य 2. धंधा, रोजगार, व्यापार 3. नौकरी 4.

अर्थ, प्रयोजन **मुहा.** काम अटकना- काम रुकना;

काम आना- लड़ाई में मारा जाना, जैसे- सिपाही

युद्ध में काम आए; काम कर दिखाना- महत्वपूर्ण

काम करना; काम करना-असर करना, जैसे-

तुम्हारा उपदेश काम कर गया; काम चलना-

काम जारी रखना, जैसे- बिजली के आने तक

मोमबत्ती से काम चलेगा; काम चलाना- काम

जारी रखना; काम छेड़ना- काम शुरू करना;

काम तमाम करना- मार डालना, जैसे- राम ने

रावण का काम तमाम कर दिया; काम तमाम

होना- नष्ट हो जाना; काम देखना-अपने काम

की ओर ध्यान देना; काम बँटाना- किसी काम

में सहायक होना; काम बनना-बात बनना; काम

बिगड़ना-मामला बिगड़ना; काम भुगतना- काम

निपटाना; काम लगाना- काम जारी होना; काम

लगा रहना- व्यापार जारी रहना, गाड़ियाँ आती

जाती रहती है, यही काम लगा रहता है; काम

होना- मरना जैसे- छत से गिरते ही उसका काम

हो गया; काम करना- अर्थ साधना, चोर पलक

झपकते अपना काम कर गया; काम का-जिससे

कोई उद्देश्य सिद्ध हो, जैसे- वह बड़े काम का

आदमी है; काम चलना- कार्य का निर्वाह होना,

जैसे- इतने पैसे से मेरा काम चल जाएगा; काम

निकालना- मतलब गाँठना, स्वार्थी मित्र सिर्फ

अपना काम निकाल लेते हैं; काम पड़ना-

आवश्यकता होना; काम बनाना- मतलब गाँठना,

जैसे- उसके आने से सब काम बन जाएगा; काम

लगाना- आवश्यकता होना, जैसे- जब काम लगा,

तो पैसे लेने आ गए; काम संवारना- काम

बनाना, उदा. रामचंद्र के काम संवारे, हनु.चा.;

काम सधना- काम सिद्ध होना; काम सरना-

काम निकलना; काम साधना- काम पूरा करना;

काम साध देना- सिद्ध करना, पूरा कर देना;

आवश्यकता होना काम पड़ना- किसी से पाला

पड़ना, उदा. चंदन बपुरा का करै, पड़ा नीच से

काम (शब्द.); काम रखना- वास्ता रखना; काम

से काम रखना- अपने कार्य से प्रयोजन रखना;

काम आना- उपयोग होना जैसे- वह मूर्ख किसी

के काम नहीं आ सकता, साथ देना जैसे-

विपत्ति में अपने ही काम आते हैं; काम का-

उपयोगी, व्यवहार योग्य; काम देना- उपयोगी

होना, जैसे- जो वक्त पर काम न दे वह बेकार

बोझ होता है; काम लेना- उपयोग करना, रात में

टार्च से काम लो; काम में आना- व्यवहार में

आना; काम में लाना-उपयोग में लाना, व्यवहार

करना; काम खुलना- कारोबार चलना, नया

कारखाना जारी होना; काम चमकना- व्यवसाय

में वृद्धि होना; काम पर जाना- कार्यालय में

जाना, रोजगार की जगह जाना; काम बढ़ाना-

व्यापार बढ़ाना; काम बिगड़ना- व्यवसाय नष्ट

होना, रोजगार में घाटा उठाना, बनते बनते काम

में रुकावट आना या बिगड़ जाना; काम सीखना-

कारोबार सीखना जैसे- वह बढ़ई का काम सीख

रहा है, काम उतारना- किसी दस्तकारी के काम

को पूरा करना, काम चढ़ाना-किसी चीज की

तैयारी के लिए करघे आदि पर चढ़ाना; काम

बनाना-किसी वस्तु का तैयार होना।

कामअंध पुं. (तत्.) दे. कामांध।

कामकला स्त्री. (तत्.) 1. रति मैथुन 2. काम क्रीड़ा

की कला 3. कामदेव की स्त्री 4. एक तंत्रोक्त

विद्या 5. सौंदर्य की प्रतिमूर्ति।

कामकाज पुं. (देश.) कारोबार, काम धंधा।

कामकाजी वि. (देश.) काम करनेवाला, उद्योग

धंधे में रहने वाला।